(ग) ऊर्जा मंत्रालय में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत-प्रतिशत पालन करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्रालय के तीनों विभागों के मुख्यालयों में धारा 3 (3) का लगभग पूरी तरह पालन किया जाता है। अधीनस्थ संगठनों में भी इस धारा का पूरा पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रयत्न जारी है।

प्राकृतिक गैस की संभावनाएं

153. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश में प्राकृतिक गैस की क्या संभावनायें हैं तथा इस संबंध में किए गए विभिन्न सर्वेक्षणों का ब्यौरा क्या है तथा प्राकृतिक गैस प्राप्त करने में किस सीमा तक सफलता प्राप्त हुई है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : 1-1-87 को भंडारों के आधार पर 1987-88, 1988-89 और 1989-90 वर्षों के लिए टर्मिनल गैस उत्पादन क्रमश: 2734, 33.36 और 39.78 मिलियन घन मीटर प्रतिदिन होगा।

देश के विभिन्न भागों में हाइड्रोकार्बन के अन्वेषण के लिए किए गए भूवैज्ञानिक गुरुत्वाकर्षण-चुम्बकीय और भूकम्पीय सर्वेक्षणों से 1-1-1987 को 606460 मिलियन घन मीटर मुक्त गैस तथा 398541 मिलियन घन मीटर सम्बद्ध गैस के भण्डारों का पता लगा है।

देश में पनबिजली परियोजनाएं

154. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में पनबिजली की क्या संभावना है, इस संबंध में कहां-कहां सर्वेक्षण कराया गया है और कहां-कहां सर्वेक्षण किया जा रहा है और निकट भविष्य में इसके लिए क्या योजना है ; और

(ख) पहाड़ी राज्यों में कहां-कहां ऐसी परियोजनायें बनी हैं, इनमें से प्रत्येक परियोजना का अनुमानित मूल्य कितना है और उत्पादन क्षमता कितना है और इन परियोजनाओं पर काम कब तक आरंभ हो जाने की संभावना है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा देश में जल विद्युत शक्यता संबंधी किए गए पुनर्मूल्यांकन के अनुसार 60% भार गुणांक पर 84044 मैगावाट जल विद्युत शक्यता का अनुमान लगाया गया है। विभिन्न राज्यों में बृहत्त नदी के बेसिन में अनुमानित जल विद्युत शक्यता को दर्शाने वाला विवरण-I संलग्न है। (**नीचे देखिये**)।

(ख) पर्वतीय राज्यों में निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं तथा निर्माण की जाने वाली परियोजनाओं के आयोजना, इनकी अनुमानित लागत, प्रतिस्थापित क्षमता तथा चालू करने की तारीख के साथ इनकी सूची विवरण-II में दर्शाई गई है।

विवरण-I

भारत की जल विद्युत सक्षमता

राज्य	60% भार अनुपात पर क्षमता (मेगावाट)
1	2
जम्मू और कश्मीर . .	7487
हिमाचल प्रदेश	11647
पंजाब . . .	922
हरियाणा . . .	64
उत्तर प्रदेश . . .	9744
राजस्थान . . .	291
जोड़ उत्तरी क्षेत्र :	30155

1	2
महाराष्ट्र	2460
गुजरात	409
मध्य प्रदेश	2774
गोवा	36
जोड़ पश्चिमी क्षेत्र :	5679
बिहार	538
उड़ीसा	1983
पश्चिमी बंगाल	1786
सिक्किम	1283
जोड़ पूर्वी क्षेत्र :	5590
असम	351
अरुणाचल प्रदेश	26756
मेघालय	1070
मणिपुर	1176
त्रिपुरा	9
मिजोरम	1455
नागालैंड	1040
जोड़ उत्तर पूर्वी क्षेत्र :	31857
आन्ध्र प्रदेश	2909
तमिलनाडु	1206
केरल	2301
कर्नाटक	4347
जोड़ दक्षिण क्षेत्र :	10763
जोड़ अखिल भारत :	84044

विवरण—II

योजना आयोग द्वारा पहाड़ी क्षेत्र सैल के रूप में पारिभाषित पहाड़ी राज्यों में जल विद्युत परियोजनाएं

क. निर्माणाधीन/स्वीकृति हेतु विचाराधीन जल विद्युत स्कीमें

राज्य	स्कीम	स्थापित क्षमता (मे०वा०)	अनुमानित लागत (लाख रुपए में)	चालू करने का कार्यक्रम
1	2	3	4	5
हिमाचल प्रदेश	आंध्रा	3×5.65	4123.33	1987–88
	रोंगटोंग	4×0.5	1394.00	86–87, 87–88
	संजय विद्युत परियोजना	3×40	15985	1988–89
	बानेर	2×3	2301	1991–92
	थिरोट	3×1.5	1652	1989–90
	गज	3×3.5	2479	1991–92
	लारजी	3×42	16885	90–91, 91–92
	चमेरा–I	3×180	82723	89–90, 90–91
जम्मू व कश्मीर	मलाल (केन्द्रीय)	3×115	56735	1987–88

—	1	2	3		4
		अपर सिंध–II	2×35	10043	88–89, 89–90
		सतकना	2×2	2200	86–87, 87–88
		करनाह	2×1	1017	1988–89
		कारगिल	3×1.25	1337	1990–91
		पहलगांव*	3×1	839	1990–91
		दुलहस्ती (केन्द्रीय)	3×130	67300	92–93, 93–94
	मणिपुर	गेलनल	2×0.2	101	1988–89
		बूनिंग	2×0.5	264	1989–90
		लोकचाव और कैथल	5×0.2	290	1988–89
		खूगा	3×0.5	123	1990–91
		लीमाखोंग चरण–III	2×0.5	185.21	1989–90
		थूवल*	3×2.5	670	1991–92
	मेघालय	उमियम उमत्रू-चार	2×30	2267	1991–92
	नागालैंड	दिक्खु	1×0.75 +1×0.25	350	1987–88
		दे यांग (केन्द्रीय)	3×35	18088	1991–92
	त्रिपुरा	महारानी	2×0.5	250	1986–87
	सिक्किम	—			
	अरुणाचल प्रदेश	टागा	3×1.5	528	1988–89
		रंगानदी (केन्द्रीय)	3×135	36012	92–93, 93–94
	मिजोरम	सीसा नाल्ह*	3×0.5	196	1988–89

*स्कीमें योजना आयोग द्वारा अभी स्वीकृत की जानी हैं।

LPG Produced at Barauni

155. SHRI KAILASH PATI MISHRA:

SHRI ASHWANI KUMAR:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) Whether Government's attention has been drawn to a news-item which appeared in the Aryavart, Patna, dated the 23rd July, 1987, to the effect that LPG produced at Barauni in Bihar is being supplied to other States; if so, what are the details in this regard;

(b) Whether it is a fact that LPG users in Bihar, and especially in Ranchi, are experiencing a great difficulty in obtaining fresh LPG cylinders and that sometimes the dealers take more than 15 days to supply the gas cylinders to the consumers; and

(c) Whether it would be possible to supply more gas cylinders to Bihar in order to help ease the situation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) Yes, Sir. It has been the practice of the Oil Industry to move LPG out to other Bottling Plant and for meeting the requirements of other